Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

भगदड़ (Stampede)

➢ चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में बुधवार (8 जनवरी) को तिरुपति में "भगवान वेंकटेश्वर" के दर्शन के लिए टोकन लेने के इंतजार में मची भगदड़ (Stampedes) में छः लोगों की मौत हो गई।
- तिरुपति में "शुभ बैंकुंठ एकादशी" के अवसर पर भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन के लिए हजारों की संख्या में टोकन लेने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ एकत्रित हो गई थी।
- हालांकि प्रतिदिन "भगवान वेंकटेश्वर" की दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालु तिरुपति आते हैं लेकिन यहां इस प्रकार ही भगदड़ की घटना दुर्लभ है।
- वर्ष 1954–2016 तक के एक आंकड़े के अनुसार भारत में हुए सभी भगदड़ों की 79 प्रतिशत घटनाएं धार्मिक सामूहिक समारोहों में हुई हैं।

➢ भगदड़ क्या है ?

- भीड़ इक्कठा करने की जोखिम और उसके मूल्यांकन के तरीकों पर विश्लेषण की समीक्षा–2023 के अनुसार "भीड़ का एक आवेशपूर्ण सामूहिक आंदोलन" को भगदड़ के

रूप में परिभाषित किया गया है जिसके परिणामस्वरूप भीड़ों में अक्सर चोटें और मौतों की घटना होती है।

- अन्य सामाजिक विज्ञानी भगदड़ को व्यवस्थित आंदोलन में व्यवधान के रूप में परिभाषित किया गया है।

➢ भगदड़ में मौतें क्या होती है ?

- भगदड़ में अधिकांश मौतें दर्दनाक श्वासावरोध के कारण होती है जिसमें छाती या ऊपरी पेट के बाहरी संपीड़न के कारण श्वसन आंतरिक या पूर्ण रूप से बंद हो जाता है।
- बाहरी संपीड़न बल जो मनुष्यों को चोट पहुंचाने और मारने के लिए पर्याप्त है एक दिशा में धकेलने वाले छः से सात लोगों की मध्यम भीड़ में भी रिपोर्ट किया गया है।
- भगदड़ से संबंधित मौतों के अन्य संभावित कारणों में मायोकार्डियल रोधगलन (Mayocardial Infraction), आंतरिक अंगों में सीधी चोट, सिर की चोटें और गर्दन का संपीडन शामिल है।
- "मायोकार्डियल रोधगलन" स्थिति मानव हृदय के एक हिस्से में रक्त के प्रवाह में कमी या समाप्ति के कारण दिल का दौरा (Heart Attack) से संबंधित है।

➢ "मानव मनोविज्ञान" कैसे "भगदड़" की ओर ले जाता है?

- आमतौर पर भगदड़ हमेशा सामूहिक समारोहों के दौरान या भीड़–भाड़ वाले जगहों (रेलवे स्टेशन आदि) में होती है।
- लगभग सभी भगदड़ या तो घबराहट के कारण या फिर वहां की बदतर व्यवस्थाओं के कारण उत्पन्न होती है।
- मानव मनोवैज्ञानिक अलेक्जेंडर मिटज के अनुसार घबराहट पैदा करने वाली स्थितियों में सहकारी व्यवहार की आवश्यकता होती है तथा ऐसी स्थिति में जब तक हर कोई सहयोग करता है तब तक यह व्यक्तियों के लिए फायदेमंद होता है।
- हालांकि ऐसी स्थिति में जब एक बार व्यक्तियों के बीच सहयोग का पैटर्न गड़बड़ा जाता है तो भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

- समाजशास्त्री नील जे स्मेलसर ने भगदड़ को कुछ व्यक्तियों के समूह के "सनक" के द्वारा भी उत्पन्न माना है जिसमें कुछ व्यक्ति अपने व्यक्तिगत हितों के लिए लोगों की समूह को हानिकारक कार्य करने के लिए मजबूर करते हैं।
- उदाहरण के लिए तिरुपति में श्रद्धालुओं का समूह एक पार्क में दर्शन के लिए टोकन लेने का इंतजार कर रहे थे।
- इसी दौरान पार्क के गेट पर तैनात पुलिसकर्मियों को एक बुजुर्ग महिला को सांस लेने में कठिनाई होने का पता चला।
- जब इस महिला को बाहर निकालने के लिए गेट को थोड़ा सा खोला तो गेट के बाहर खड़े लोग महिला के चिकित्सा स्थिति को समझने के बदले इन लोगों की कुछ भीड़ ने यह सोचा कि "टिकट काउंटर" खुल गए हैं जिससे तेजी से दौड़कर आगे बढ़ने लगे, जिससे भगदड़ मच गई।

➢ **स्थानों का भौतिक संगठन भगदड़ में कैसे योगदान देता है एवं इसे कैसे रोका जा सकता है ?**

- सामूहिक व्यवहार का मनोविज्ञान भगदड़ के पीछे का एकमात्र कारक नहीं है तथा कई भगदड़ उस स्थान की भौतिक संगठन में गड़बड़ी के कारण भी होती है जिसे बेहतर डिजाइन के माध्यम से रोका जा सकता है।
- स्थानों का भौतिक संगठन के डिजाइन में गड़बड़ी के कई कारक भगदड़ के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं, जिनमें शामिल है–

1. प्रकाश की कमी,
2. भीड़ के प्रवाह को अलग-अलग भीड़ में विभाजित नहीं किया जाना,
3. इमारतों का ढह,
4. निकासी मार्ग की संकीर्णता,
5. हार्डवेयर का खराब डिजाइन,
6. आग का खतरा,

- किसी भी समारोहों के सामूहिक संचालन के लिए स्थान तय करने से पहले "भीड़ घनत्व" का निर्धारण किया जाना चाहिए।

- भीड़ का घनत्व अधिक होने के कारण (जब भीड़ घनत्व 3 और 4 व्यक्ति प्रति वर्ग मीटर तक पहुंच जाता है) तब भीड़ों में घबराहट होने लगती है जिससे भगदड़ का खतरा बढ़ जाता है।
- किसी भी सामूहिक समारोहों के आयोजन के लिए डिजाइनरों और कार्यक्रम आयोजकों को भीड़ की संभावित गतिविधि की गतिशीलता का ध्यान रखना महत्वपूर्ण हो जाता है।
- भीड़ की गतिशीलता के आधार पर भगदड़ को दो भागों में एकतरफा (Unidirectional) और अशांत (Turbulent) में वर्गीकृत किया जाता है।
- तिरुपति मंदिर में अस्वस्थ महिला को बाहर निकालने के प्रयास के दौरान मची भगदड़ एकतरफा (Unidirectional) भगदड़ थी।
- एकतरफा भगदड़ में एक ही दिशा में आगे बढ़ रही भीड़ को जब अचानक सकारात्मक या नकारात्मक बल परिवर्तन का सामना करना पड़ता है जिससे उसकी गति बदल जाती है और भगदड़ उत्पन्न हो जाता है।
- जबकि अशांत (Turbulent) भगदड़ की घटनाएं अनियंत्रित भीड़, प्रेरित घबराहट या कई दिशाओं से भीड़ के एक साथ आ जाने की घटना के कारण घटित होती है।
- सामूहिक समारोहों की योजना बनाते समय एक अंतर–एजेंसी, बहु–विषयक दृष्टिकोण के साथ उचित शमन उपायों सहित संभावित खतरों के बारे में भी प्रयास किया जाना चाहिए।
- अन्य बातों के अलावा आयोजकों को भीड़ की लाइव निगरानी पर भी जोर देना चाहिए ताकि आयोजकों को भीड़ का दबाव निर्माण, भीड़ घनत्व वृद्धि, बाधाओं की निगरानी करने और भीड़ में अशांति के स्रोतों को पहचानने में मदद मिल सके।
- इसके अलावा आयोजकों और भीड़ के बीच "संचार व्यवस्था" भी भगदड़ को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

➢ कुछ घातक भगदड़ें :

❖ मास्को (रूस)– 1896

- पहले प्रलेखित मानव भीड़ भगदड़ों में से एक वर्ष 1896 में रूसी जार निकोलस द्वितीय के राज्याभिषेक समारोह की पूर्व संध्या पर हुई भगदड़ थी।
- तत्कालीन रिपोर्ट के अनुसार उस समय रूसी राजदरबार के द्वारा लोगों को दिए जाने वाले "स्मृति चिन्हों" की कमी की अफवाहों के बीच मची भगदड़ में 9000 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

❖ इलाहाबाद (भारत)– 1954

- भारतीय इतिहास का सबसे घातक कुंभ मेला भगदड़ जो आजादी के बाद का 1954 में आयोजित पहला कुंभ मेला था, में भीड़ की नियंत्रण तंत्र में कमी, खराब योजना और VIP की अत्यधिक उपस्थिति के कारण घटित भगदड़ थी।
- इस कुंभ मेले की भगदड़ में अशांत भीड़ के कारण लगभग 800 लोगों की मृत्यु हो गई थी।
- दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन कुंभ मेले के प्रबंधन के लिए 1954 की त्रासदी से मिले सबक आज भी बुनियादी बने हुए हैं।

❖ लीमा (पेरू)–1963

- 1963 के पेरू–अर्जेंटीना फुटबॉल मैच के दौरान रेफरी के फैसलों से नाराज दर्शकों ने मैदान में हमला कर दिया।
- दर्शकों के मैदान में आ जाने के कारण पुलिस को एक गैंडस्टैंड से आंसू गैस के गोले दागने पड़े जिससे अफरा–तफरी मच गई एवं लगभग 326 लोगों की मौत हो गई।

❖ सतारा (महाराष्ट्र, भारत)–2005

- महाराष्ट्र के सतारा जिले के मेधारदेवी मंदिर में वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा नारियल तोड़ने के कारण फिसलन भरी सीढ़ियों में भगदड़ के कारण 340 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

Result Mitra

❖ मीना (सऊदी अरब)– 2015

- पिछले कुछ वर्षों में हज यात्रा के दौरान मक्का में कई बार जानलेवा भगदड़ मची है लेकिन उनमें से सबसे घातक भगदड़ की घटना 2015 में घटित हुई।
- इस भगदड़ की घटना में दो बड़े समूह अलग-अलग दिशाओं से एक ही सड़क पर आ गए, जिसके कारण मची अशांत भगदड़ में करीब 2000 से अधिक लोग मारे गए।

❖ हाथरस (उत्तर प्रदेश, भारत)– 2024

- उत्तर प्रदेश के हाथरस में जुलाई 2024 में एक सत्संग के दौरान घटित भगदड़ में कम से कम 116 लोगों की मौतहो गई।

❖ वैकुंठ एकादशी उत्सव

- वैकुंठ एकादशी उत्सव का संबंध भगवान वेंकटेश्वर से है, जो प्रत्येक वर्ष जनवरी के दूसरे सप्ताह में मनाया जाता है।
- इस अवसर पर तिरुमाला मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर के रूप में विराजमान भगवान विष्णु का आशीर्वाद लेना शुभ माना जाता है।
- भगवान वेंकटेश्वर मंदिर के गर्भ गृह के पास एक विशेष प्रवेश द्वार है जो केवल वैकुंठ एकादशी के दिन ही भक्तों के दर्शन के लिए खुलता है एवं ऐसी मान्यता है कि जो भी श्रद्धालु इस दिन भगवान विष्णु के प्रवेश द्वार से गुजरता है उसे मरणोपरांत भगवान विष्णु के बैकुंठ धाम में जगह मिलती है।

Result Mitra

MCQ–1 : "भगदड़" के संबंध में निम्न कथनों पर विचार करके सही विकल्प चुने–

कथन–1 : भारत में भगदड़ की 79% घटनाओं का संबंध धार्मिक सामूहिक समारोहों से है।

कथन–2 : भगदड़ में मौतों का मुख्य कारण श्वासावरोध एवं मायोकार्डियल रोधगलन है।

कथन–3 : भगदड़ का प्रमुख मानव मनोविज्ञानी कारण कुछ व्यक्ति समूहों द्वारा व्यक्तिगत हितों के लिए लोगों की समूह को हानिकारक कार्य करने के लिए मजबूर करना है।

कथन–4 : समारोह स्थल का भौतिक संगठन की अव्यवस्था भगदड़ के प्रमुख कारणों में से एक है।

a) चारों कथन सही है।
b) चारों कथन गलत है।
c) केवल कथन 1 और 3 सही है।
d) केवल कथन 2 और 4 सही है।

Ans.–(a)

Mains–1 : "भगदड़" में मानव मनोविज्ञान के योगदान का उल्लेख करते हुए इसके अन्य कारकों पर विचार करें तथा भगदड़ के बचाव के लिए क्या-क्या उपाय किए जाने चाहिए, विश्लेषण करें।

Result Mitra

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.
Result Mitra
1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹
कोर्स या Test Series के लिए
WhatssApp कीजिये
9235313184, 9235446806